हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

शुक्रवार, 24 फरवरी 2017, लखनऊ, पांच प्रदेश, 20 संस्करण, नगर संस्करण

www.livehindustan.com

हिन्दुस्तान

लखनऊ LIVE

युवा

सरस्वती विद्या मंदिर में गुरुवार को मेधावियों को सम्मानित किया गया

सिटी

आर्यकुल ग्रुप ऑफ कॉलेज की छात्रा शिल्पी को दोस्तों-शिक्षकों ने श्रद्धांजलि दी

एंटरटेनमेंट

माधुरी ने यह तस्वीर अपलोड की और लिखा कि खुशी के लिए सही संतुलन होना जरूरी है

राजेन्द्र नगर में महाकाल की आरती की गई।

हनुमान सेतु मंदिर के शिवलिंग का शृंगार हुआ।

वैज्ञानिक महत्व

शिवरात्रि पर शिवलिंग से मिलती है ब्रह्मांडीय ऊर्जा

फाल्गुन मास के त्रयोदश व चतुर्दशी को ब्रह्माण्ड से अधिकतम ऊर्जा निकलती है। काले रंग के शिवलिंग में वह ऊर्जा अधिकतम शोषित होती है। इस दिन शिवलिंग के स्पर्श से ब्रह्मांडीय ऊर्जा शरीर में प्रवेश करती है और तमाम बीमारियों से मुक्ति मिलती है। शिवरात्रि के दिन शिवलिंग की पूजा के वैज्ञानिक कारण के बारे में वैदिक विज्ञान केन्द्र के अध्यक्ष व वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो. भरत राज सिंह ने बताया कि शिवलिंग एनर्जी का पिंड है जो गोल, लम्बा-वृत्ताकार में सभी शिव मंदिरों में स्थापित होता है। इसमें ब्रह्माण्डीय शक्ति को सोखने की अधिकतम क्षमता होती है। लोग रुद्राभिषेक, जलाभिषेक आदि करके मौजूद शक्तिशाली ऊर्जा को अपने शरीर में ग्रहण करते हैं। शिव पूजन में इस्तेमाल होने वाली पूजन सामग्रियों में ऊर्जा स्थानांतरण की क्षमता होती है। साथ ही वह नकारात्मक ऊर्जा समाप्त कर शरीर को सकारात्मक ऊर्जा देती है। उन्होंने बताया कि इस दिन के बाद सूर्य उत्तरायण में अग्रसर हो जाता है और ग्रीष्म ऋतु का आगमन शुरू हो जाता है।